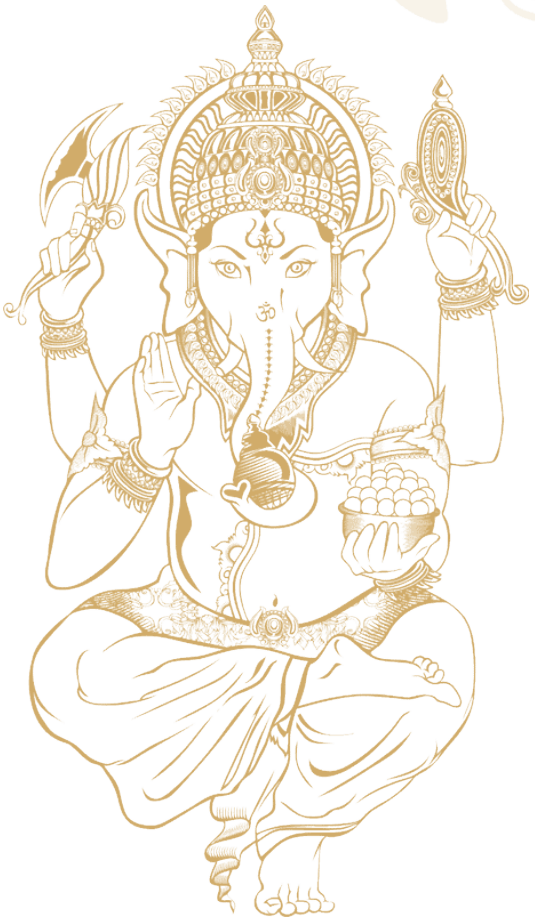

20 Feb 2026

11:13 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121412307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:13:00 घंटे**
इष्ट	41:21:03 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:56:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:44 घंटे
साम्पातिक काल	08:59:25 घंटे
सूर्योदय	06:40:34 घंटे
सूर्यास्त	18:19:39 घंटे
दिनमान	11:39:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:52:16 कुम्भ
लग्न के अंश	18:05:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:05:20	330:36:30	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	07:52:16	01:00:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	18:27:10	13:51:52	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	28:00:37	00:47:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	25:52:34	00:51:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:24:51	00:03:34	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	18:40:38	01:15:00	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	06:31:58	00:06:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:43:55	00:00:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:43:55	00:00:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:21:29	00:00:53	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:31:47	00:02:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:04:38	00:01:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	18:10:06	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

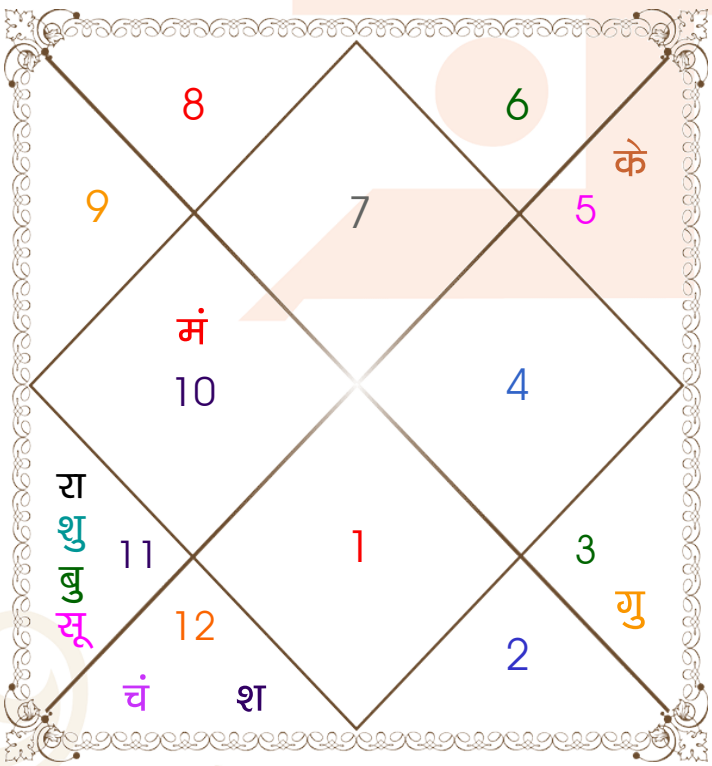

चन्द्र कुंडली

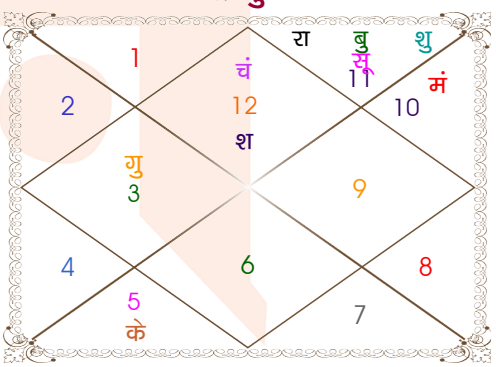

नवमांश कुंडली

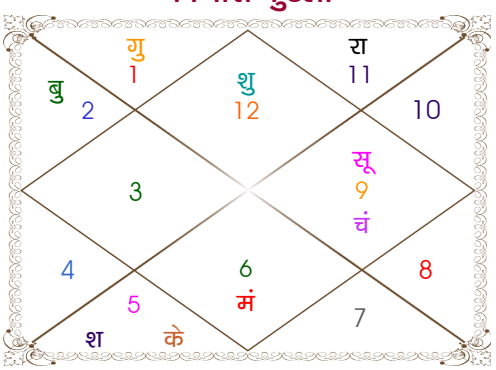

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 8 मास 20 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/02/2026		11/11/2040		12/11/2047		12/11/2067		11/11/2073	
11/11/2040		12/11/2047		12/11/2067		11/11/2073		12/11/2083	
बुध	09/04/2026	केतु	09/04/2041	शुक्र	13/03/2051	सूर्य	29/02/2068	चंद्र	12/09/2074
केतु	07/04/2027	शुक्र	09/06/2042	सूर्य	12/03/2052	चंद्र	30/08/2068	मंगल	13/04/2075
शुक्र	04/02/2030	सूर्य	15/10/2042	चंद्र	11/11/2053	मंगल	05/01/2069	राहु	12/10/2076
सूर्य	12/12/2030	चंद्र	16/05/2043	मंगल	11/01/2055	राहु	29/11/2069	गुरु	11/02/2078
चंद्र	12/05/2032	मंगल	12/10/2043	राहु	11/01/2058	गुरु	18/09/2070	शनि	12/09/2079
मंगल	10/05/2033	राहु	30/10/2044	गुरु	11/09/2060	शनि	31/08/2071	बुध	10/02/2081
राहु	27/11/2035	गुरु	06/10/2045	शनि	12/11/2063	बुध	06/07/2072	केतु	11/09/2081
गुरु	04/03/2038	शनि	14/11/2046	बुध	12/09/2066	केतु	11/11/2072	शुक्र	13/05/2083
शनि	11/11/2040	बुध	12/11/2047	केतु	12/11/2067	शुक्र	11/11/2073	सूर्य	12/11/2083

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/11/2083		11/11/2090		12/11/2108		12/11/2124		13/11/2143	
11/11/2090		12/11/2108		12/11/2124		13/11/2143		00/00/0000	
मंगल	09/04/2084	राहु	25/07/2093	गुरु	31/12/2110	शनि	16/11/2127	बुध	21/02/2146
राहु	27/04/2085	गुरु	18/12/2095	शनि	13/07/2113	बुध	26/07/2130		00/00/0000
गुरु	03/04/2086	शनि	24/10/2098	बुध	19/10/2115	केतु	04/09/2131		00/00/0000
शनि	13/05/2087	बुध	14/05/2101	केतु	24/09/2116	शुक्र	03/11/2134		00/00/0000
बुध	09/05/2088	केतु	01/06/2102	शुक्र	26/05/2119	सूर्य	16/10/2135		00/00/0000
केतु	05/10/2088	शुक्र	01/06/2105	सूर्य	13/03/2120	चंद्र	17/05/2137		00/00/0000
शुक्र	06/12/2089	सूर्य	26/04/2106	चंद्र	13/07/2121	मंगल	25/06/2138		00/00/0000
सूर्य	12/04/2090	चंद्र	25/10/2107	मंगल	19/06/2122	राहु	01/05/2141		00/00/0000
चंद्र	11/11/2090	मंगल	12/11/2108	राहु	12/11/2124	गुरु	13/11/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 8 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।